AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : परीक्षा के लिए छात्रों को हॉस्टल अलॉटमेंट 10 से

माई सिटी रिपोर्टर

बिना अनुमति 7 बजे के बाद नहीं जा सकेंगे बाहर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रस्तावित यूजी-पीजी फाइनल ईयर की परीक्षाओं के लिए 10 जुलाई से छात्रों को छात्रावास अलॉट किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि हॉस्टल सिर्फ परीक्षा के लिए अलॉट होंगे। परीक्षा समापूत होने के दो दिन बाद उन्हें छात्रावास खाली करना होगा। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार फाइनल ईयर/ सेमेस्टर के विद्यार्थी परीक्षा शुरू होने के एक सप्ताह पूर्व छात्रावास अलॉटमेंट करा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि जिनकी परीक्षा 16 जुलाई से प्रस्तावित है वे 10 जुलाई से छात्रावास अलाटमेंट करा सकते हैं और जिनकी परीक्षा 01 अगस्त से प्रस्तावित है वे 20 जुलाई से छात्रावास प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा है कि उनको कोरोना गाइडलाइन का पालन न सिर्फ छात्रावास बल्कि छात्रावास के बाहर भी वीकेंड कर्फ्यू व लॉकडाउन अवधि का कड़ाई से पालन करना होगा। विद्यार्थियों को खुद का फेस मास्क, ग्लब्ज, सैनिटाइजर की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। किसी भी तरह की बीमारी होने पर प्रोवोस्ट को तुरंत सूचित करना होगा।

प्रो. पांडेय ने यह भी कहा है कि विद्यार्थी प्रोवोस्ट की अनुमति से छात्रावास से बाहर जाएंगे और हर हाल में शाम 7 बजे से पहले छात्रावास लौटना होगा। बता दें कि परीक्षा को देखते हुए विद्यार्थी हाल में छात्रावास अलाटमेंट की मांग कर रहे थे। क्योंकि काफी संख्या में विद्यार्थी अन्य जिलों से आते हैं।

शासन-प्रशासन का शिक्षण संस्थान खोलने का कोई निर्णय नहीं : कोरोना संक्रमण में कमी आने के बाद चीजें लगातार अनलॉक हो रही हैं लेकिन शासन-प्रशासन ने अभी तक शिक्षण संस्थान खोलने का निर्णय नहीं लिया है। विश्वविद्यालयों में वर्तमान सत्र की फाइनल ईयर की परीक्षा भी 15 जुलाई से शुरू हो रही हैं। वहीं, नए सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू होनी है। इसे लेकर यूनिवर्सिटी-कॉलेज काफी असमंजस में हैं कि वह अपने यहां परीक्षा-प्रवेश कैसे करेंगे? इस बीच कुछ संस्थान अपने स्तर पर निर्णय ले रहे हैं। बता दें कि कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद अप्रैल में शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए बंद कर दिए गए थे। उसके बाद कार्यालय तो खोले गए, लेकिन अभी तक विद्यार्थियों व शिक्षकों के आने के लिए कोई दिशा-निर्देश नहीं जारी हुए हैं, जिसे लेकर शिक्षण संस्थानों में काफी संशय की स्थिति है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: पीएचडी प्रवेश परीक्षा माह के अंत में

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी विभागों से पीएचडी सीटों का विवरण लेने के बाद जुलाई के आखिरी सप्ताह में ऑनलाइन पीएचडी प्रवेश परीक्षा कराने की तैयारी कर ली है। परीक्षा समिति से जुड़े सूत्रों की मानें तो 24 जुलाई को पीएचडी की ऑनलाइन परीक्षा करायी जाएगी। पहली बार दिल्ली में भी केन्द्र बनाया जा रहा है।

एलयू में 45 विभाग हैं। प्रत्येक वर्ष जिन सीटों पर जिन शिक्षकों के शोधार्थी की पीएचडी पूरी हो जाती है या तय मानक के अनुसार उनके पास विद्यार्थी कम होते हैं, उन्हें अपनी सीट का ब्योरा देना होता है। इससे ही विभाग की सीट तय होती है। एलयू में विभागावार सीटें ली जा चुकी हैं और आवेदन भी लिए जा चुके हैं।

i-NEXT PAGE 4

एग्जाम के 1 हफ्ते पहले हॉस्टल में मिलेगा प्रवेश

LUCKNOW (5 JULY): लखनऊ विश्वविद्यालय की अंतिम वर्ष एवं सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 जुलाई से शुरू होंगी. ऐसे में इन परीक्षाओं के वे छात्र-छात्राएं जिन्हें हास्टल आवंटित है, वे एक सप्ताह पहले हास्टल में रहने के लिए आ सकते हैं. इस संबंध में सोमवार को चीफ प्रवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय ने निर्देश जारी किए हैं. उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं 16 जुलाई से शुरू होंगी, वे 10 जुलाई और जिनकी परीक्षाएं एक अगस्त से होंगी, उनके लिए 20 जुलाई से हास्टल खुल जाएंगे. सभी विद्यार्थियों को कोविड गाइडलाइन का पालन करना होगा. इसके अलावा उन्हें फेस मास्क, ग्लव्स, सैनिटाइजर लाने के साथ शारीरिक दूरी का भी पालन करना होगा. यदि कोई छात्र बीमार है, तो उसे अपने हास्टल के प्रवोस्ट को सूचित करना होगा. विद्यार्थियों को हास्टल से बाहर जाने के लिए प्रवोस्ट की अनुमति लेनी होगी.

JAGRAN CITY PAGE I

'भारत हैप्पीनेस इंडेक्स में निराशाजनक पायदान पर'

जासं, लखनऊ : मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से न लेना कई कारणों में से एक है। यही वजह है कि भारत हैप्पीनेस इंडेक्स में एक निराशाजनक पायदान पर है। इस पर ध्यान देना जरूरी है। यह विचार नवयुग कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सृष्टि श्रीवास्तव ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, समाज कार्य विभाग और परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित आनलाइन इंटरफेस कार्यक्रम में रखे।

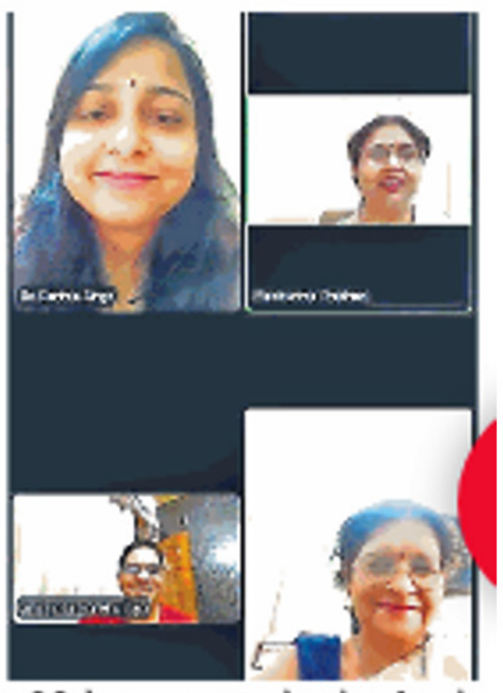

लविवि के आनलाइन इंटरफेस में चर्चा करते विशेषज्ञ • सौ. लविवि

'मादक द्रव्यों का सेवन और मानसिक स्वच्छता' विषय पर हुए कार्यक्रम में नेशनल पीजी कालेज के मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. पीके खत्री ने कुछ केस को छात्रों के साथ साझा करते हुए बताया कि मादक द्रव्यों के सेवन के परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि मादक द्रव्यों का सेवन कुछ समय के लिए सुख प्रदान करके स्थाई नकारात्मकता की ओर ढकेलता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं के प्रश्नों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय, परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की डायरेक्टर प्रो. मधुरिमा प्रधान के साथ विभागों से प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, शोधार्थी एवं छात्र मौजूद रहे।

परीक्षाओं के एक सप्ताह पहले हास्टल में प्रवेश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की अंतिम वर्ष एवं सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 जुलाई से शुरू होंगी। ऐसे में इन परीक्षाओं के वे छात्र-छात्राएं जिन्हें हास्टल आवंटित है, वे एक सप्ताह पहले हास्टल में रहने के लिए आ सकते हैं। इस संबंध में सोमवार को चीफ प्रवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय ने निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं 16 जुलाई से शुरू होंगी, वे 10 जुलाई और जिनकी परीक्षाएं एक अगस्त से होंगी, उनके लिए 20 जुलाई से हास्टल खुल जाएंगे। सभी विद्यार्थियों को कोविड गाइडलाइन का पालन करना होगा। इसके अलावा उन्हें फेस मास्क, ग्लव्स, सैनिटाइजर लाने के साथ शारीरिक दूरी का भी पालन करना होगा। यदि कोई छात्र बीमार है, तो उसे अपने हास्टल के प्रवोस्ट को सूचित करना होगा। विद्यार्थियों को हास्टल से बाहर जाने के लिए प्रवोस्ट की अनुमति लेनी होगी। साथ ही, शाम सात बजे से पहले वापस आना अनिवार्य होगा।

THE PIONEER PAGE 4

LU exams from July 16

PNS ■ LUCKNOW

The examinations of the final semester and final year at Lucknow University will commence from July 16. Giving this information, chief provost Nalini Pandey said that the students residing in the hostels may return a week prior to their scheduled exams.

She said the students who have their exams scheduled from July 15 may return from July 10 and those who have exams scheduled from August 1 may come back from July 20.

"We will be following all the Covid guidelines laid down by the Government of India, particularly those regarding the lockdown period. The students must wear masks & gloves and carry sanitisers. They must maintain social distancing and if they have symptoms of any kind, they should leave the hostel premises only after seeking permission from the provosts and return before 7 pm," she added.

INTERFACE SESSION

Lucknow University organised an interface session to destress the students in Covid times. Pt Deendayal Upadhyaya Shodh Peeth of the department of Social Work, and Counselling and Guidance Cell organised the programme on 'Substance abuse and mental hygiene' on Monday. The objective was to address the issue of drugs and substance abuse prevalent in today's youth, and the importance of mental health and hygiene. The Covid-19 pandemic has intensified the stress of the never-ending unpredictability and students share a significant ratio in this adversely-affected population. To address these issues, the programme was organised.

The programme was held keeping in mind the teachings and objectives of Pt Deendayal Upadhyaya, who stood for the development of the youth," a faculty member said.

Director of LU's Counselling and Guidance Cell Dr Madhurima Pradhan threw light on the objectives and motives of the cell. She signified the importance and the need of the cell in channelising the potentials of the students into a career opportunity and the enhancement in the mental wellbeing. Dr Srishti Srivastava, a psychologist, introduced the concept of mental health and hygiene to students. Director of Sambhal, a drug de-addiction and psychiatric hospital, Dr Pradeep Kumar Khatri addressed the students and discussed the issue of substance abuse by providing insights from his own patients' case studies. He also explained the concept of withdrawals and its types.

The concluding remarks were made by Dr Bhartiya, Head of the department of Social Work. He explained how the peer group also plays an enabling factor in the drug addiction and advised the students against falling for it.

FIRST INDIA PAGE 4

SUBSTANCE ABUSE AND MENTAL HYGIENE

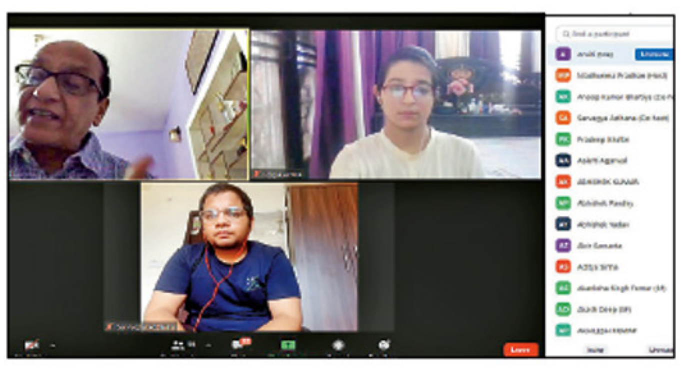

CITY FIRST

Pt Deendayal Upadhyaya Shodh Pith, Department of social work and Counseling and guidance cell, University of Lucknow, organised a virtual interface program on 'Substance Abuse and Mental Hygiene', on Monday. Dr Pradeep Kumar Khattri, Director SAMBHAL, Drug De-addiction and Psychiatric Hospital, former Head of Department, Department of Psychology, National PG College, Lucknow, Dr Srishti Srivastava, Principal, Navyug Kalyan Mahavidyalaya were the guest speakers during the program. Prof Anoop Kumar Bhartiya, Dr Garima Singh, Prof Madhurima Pradhan were also present during the program. The objective of the interface was to address the issue of drug and substance abuse prevalent in today's youth and the importance of mental health and hygiene.

TOI PAGE 2

Superannuation of 17 academic doyens leaves void in LU classrooms

Many Were Experts On Rare Subjects

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

WILL BE MISSED

Lucknow: The retirement of 17 doyens of their respective fields has left a vacuum in Lucknow University, which will be hard to replace, according to teachers.

One of the teachers to superannuate is Prof UN Dwivedi, an internationally acclaimed scientist, who is credited with the development of LU's biochemistry department. An alumnus of Michigan Technological University and North Dakota State University, he authored over 120 research papers in his 40-year career.

"Enzymology is a tough branch. I cannot teach the way Sir (Prof Dwivedi) did. He established a bioinformatics and tissue culture lab and biotechnology subject in 2002," said HoD, biochemistry, Prof Sudhir Mehrotra, who has been a student of Prof Dwivedi.

Teachers and students in the ancient history and archaeology department will miss Prof DP Tiwari, an archaeologist par excellence, who changed the perception of excavation of ancient sites with his work on Kampilya, associated with Mahabharata queen Draupadi. He has also worked on many excavations with the Archaeological Survey of India and Birbal Sahni Institute of Palaeosciences, including at 'Kalli Pachchim' in Lucknow. He also founded LU's archaeology museum.

Similarly, Prof SK Jaiswal from the same department is known for his expertise in ancient Indian polity, administration and social, economic and religious life, besides the history of south India.

The psychology department will yearn for Prof PC Mishra and Prof Pallavi Bhatnagar. "It's difficult to find a teacher like Prof Mishra, who was a master of all branches," said dean, academics, Prof Rakesh Chandra.

"The same is true for Prof Bhatnagar who has over 60 research papers and nine books to her credit," he added. She was trained in mindfulness by Marsha M Linehan, a renowned American psychologist and creator of dialectical behaviour therapy.

LU's botany department, known for bryology—the study of mosses and liverworts—had a strong group of bryologists like late Prof Dinesh Kumar and (retd) Prof SC Srivastava. Now, the last trained bryologist Prof Geeta Asthana has also retired.

"A handful of Indian universities teach bryology. Prof Asthana lived bryology through her work," said HoD Prof Vivek Prasad.

The superannuation of Prof Kirti Sinha, an expert in X-ray and spectroscopy, has left the physics department worried. "It is hard to find experts in this domain," said HoD Prof Poonam Tandon.

The retirement of Persian department's Prof Arif Ayyubi has taken away the only expert of Iranian and central Asian studies LU had.

Retirement of Prof PS Tiwari, Prof Kalicharan Snehi and TP Rahi will be a loss to the Hindi department.

"Prof Tiwari is among a handful experts of Pali, Riti-Kaal, Tulsidas and Kabir in India. Prof Snehi popularised Hindi internationally and, along with Prof Rahi, was the backbone of 'Dalit Vimarsh'," said HoD Prof YP Tiwari.

CBI sleuth-turned-teacher Prof DNNS Yadav has a huge following. "His areas of research were social and economic justice. He will be missed," said dean, law, Prof CP Singh.

HoD, chemistry, Prof Arun Sethi said: "Prof Naveen Khare's retirement has weakened our carbohydrate experts team." Geology students will miss Prof KK Agarwal, an expert of structural and Himalayan Geology.

The retirements of Prof Ram Sumer Yadav and Prof Aruna Shukla, experts of Sanskrit and Buddhist literature have created a crisis in the Sanskrit department.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

एलयू में जुलाई के आखिरी सप्ताह में होगी पीएचडी प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी विभागों से पीएचडी सीटों का विवरण लेने के बाद जुलाई के आखिरी सप्ताह में ऑनलाइन पीएचडी प्रवेश परीक्षा कराने की तैयारी कर ली है। परीक्षा समिति से जुड़े सूत्रों की मानें तो 24 जुलाई को पीएचडी की ऑनलाइन परीक्षा करायी जाएगी। इसके लिए पहली बार उत्तर प्रदेश साथ ही दिल्ली में भी परीक्षा केन्द्र बनाया जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 45 विभाग हैं। इन विभागों में पीएचडी को लेकर शिक्षकों के अनुसार सीटें भी तय है। प्रत्येक वर्ष जिन सीटों पर जिन शिक्षकों के शोधार्थी की पीएचडी पूरी हो जाती है या तय मानक के अनुसार उनके पास विद्यार्थी कम होते हैं, उन्हें अपनी सीट का ब्योरा देना होता है। इससे ही विभाग की सीट तय होती है। विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी दाखिले के लिए विभागावार सीटें ली जा चुकी हैं और आवेदन भी लिए जा चुके हैं। अब औपचारिक रूप से कुछ दिनों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा तारीख की औपचारिक घोषणा क दी जाएगी।

परीक्षा से एक सप्ताह पहले हॉस्टल में आ सकते हैं छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्याल में अन्तिम वर्ष के छात्रों की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी किया जा चुका है। अब एलयू प्रबंधन ने छात्रों को नियम और शर्तों के साथ हॉस्टल में रहने की अनुमति दे दी है। चीफ प्रोवोस्ट नलिनी पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा से पूर्व हॉस्टल में रहने के निर्देश जारी किए हैं। छात्र परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक सप्ताह से 15 दिन पहले तक हॉस्टल में रह सकते हैं। नलिनी पाण्डेय ने बताया कि हॉस्टल में रहने के दौरान छात्राओं को सख्ती से कोविड गाइडलाइन और प्रशासन द्वारा जारी लॉकडाउन के नियमों का पालन करना होगा। जिन छात्रों की परीक्षाएं 16 जुलाई से प्रस्तावित हैं, वह छात्र एक सप्ताह पूर्व से हास्टल में रह सकते हैं। जिन छात्रों की परीक्षाएं 15 जुलाई से हैं, वह छात्र 10 जुलाई से हॉस्टल प्रवेश कर सकते हैं।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

छात्रों को परीक्षा के एक सप्ताह पूर्व हास्टल आने के निर्देश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टलों में रहने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्देश जारी किया है कि वे परीक्षा के एक हफ्ते पहले ही हॉस्टल आ जाए और कोरोना वायरस के लिए भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए प्रोटोकॉल के हिसाब से ही रहे तथा मास्क लगाएं। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि जिन छात्रों की परीक्षा दो अगस्त से है, वह 20 जुलाई तक हॉस्टल आ सकते हैं तथा परीक्षा खत्म होने के दो दिन वाद हॉस्टल को खाली भी करना होगा।